i-NEXT PAGE 2 & 8

लवी शुक्ला ने 13 मेडल हासिल कर मारी बाजी

एलयू ने जारी की विभाग लेवल पर दिए जाने वाले मेडल की प्रस्तावित 168 मेडल की सूची

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (30 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने अपने 64वें दीक्षांत समारोह में विभाग लेवल पर दिए जाने वाले शेष बचे मेडल की प्रस्तावित सूची मंगलवार को जारी कर दी. एलयू इस बार बचे हुए 168 मेडल विभागों के माध्यम से स्टूडेंट्स को देगा. इस बार एमएससी मैथ्स की छात्रा लवी शुक्ला ने सबसे अधिक 13 मेडल हासिल किए हैं. इनमें 10 गोल्ड, दो चांसलर सिल्वर और एक ब्रांज मेडल शामिल है. चांसलर सिल्वर मेडल उन्हें समारोह में दिया जा चुका है. वहीं एमए एआईएच की छात्रा सान्या गुप्ता को सात गोल्ड मेडल, एक बुक प्राइज, एलएलबी थर्ड इयर के छात्र अभय द्विवेदी को सात गोल्ड मेडल, एमएससी फिजिक्स फर्स्ट इयर की छात्रा सारिका श्रीवास्तव को छह गोल्ड मेडल के लिए चुना गया है. एग्जाम कंट्रोलर प्रो. एमए सक्सेना ने बताया कि प्रस्तावित मेडल सूची एलयू की वेबसाइट पर अपलोड है.

इनके खाते में सर्वाधिक मेडल.

- लवी शुक्ला, एमएससी मैथ्स 11 गोल्ड
- सान्या गुप्ता, एमए एआईएच, 8 गोल्ड, एक बुक प्राइज
- अभय द्विवेदी, एलएलबी थ्री इयर, 7 गोल्ड
- मारिया खातून, बीए, 4 गोल्ड
- सारिका श्रीवास्तव, एमएससी फिजिक्स, 6 गोल्ड
- अनामिका बाजपेई, एमए सोशल वर्क, 4 गोल्ड
- अनुश्री, एमए इकोनॉमिक्स, 4 गोल्ड
- अभिषेक सिंह, एमए एमआईएच, 4 गोल्ड
- आकांक्षा गर्ग, एमएससी बॉटनी, 4 गोल्ड

सात दिसंबर तक अपनी आपति दर्ज करा सकते हैं. इस बार मेडल कम कर दिए गए हैं. अभी तक करीब 195 मेडल दिए जाते थे.

हैप्पी थिंकिंग लैब में युवा विकास सत्र

LUCKNOW(30 Nov): लखनऊ विश्वविद्यालय की हैप्पी थिंकिंग लैब और यूथ फार पीस एंड ट्रांसफार्मेशन के सहयोग से छात्रों के लिए पहला युवा विकास सत्र (नो टू ग्रो) कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसका उद्घाटन प्रो. राकेश चंद्रा ने किया. उन्होंने कहा कि सच्ची खुशी केवल आत्म प्रेम से प्राप्त की जा सकती है.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लवी शुक्ला को 13 और सान्या गुप्ता को सात पदक

लविवि ने बाकी बचे 168 मेडल की जारी की सूची, विद्यार्थी सात दिसंबर तक दर्ज करा सकेंगे इस पर आपत्ति

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को बाकी बचे 168 पदकों की सूची जारी कर दी। इसमें एक बार फिर एमएससी मैथ्स की लवी शुक्ला ने बाजी मारी है। लवी को डॉ. एएन सिंह गोल्ड मेडल समेत 11 मेडल मिले हैं। जबकि पूर्व में उन्हें बेस्ट गर्ल्स स्टूडेंट व पीजी की बेस्ट स्टूडेंट के लिए दो चांसलर सिल्वर मेडल दिए गए थे। इसके साथ ही एमए की छात्रा सान्या गुप्ता को सर श्रीनिवास वर्दाचरयार गोल्ड मेडल समेत सात मेडल प्रस्तावित किए गए हैं।

इसी क्रम में एलएलबी के छात्र अभय द्विवेदी को डॉ. शंकर दयाल शर्मा गोल्ड मेडल समेत सात मेडल, एमएससी की छात्रा सारिका श्रीवास्तव को वार्ड मेमोरियल विद्यांत गोल्ड मेडल समेत छह मेडल, बीए के छात्र मारिया खातून को डॉ. राधा कमल मुखर्जी गोल्ड मेडल समेत चार मेडल, एमएसडब्ल्यू की छात्रा अनामिका बाजपेई को विज्ञान रत्न डॉ. लक्ष्मण प्रसाद गोल्डेन जुबली गोल्ड मेडल समेत चार मेडल, एमए की छात्रा अनुश्री को प्रो. बलजीत सिंह मेमोरियल गोल्ड मेडल समेत चार मेडल, एमए के छात्र अभिषेक सिंह को विश्वंभर नाथ घई मेमोरियल गोल्ड मेडल समेत चार मेडल, एमएससी की छात्रा आकांक्षा गर्ग को बीरबल साहनी मेमोरियल गोल्ड मेडल समेत चार मेडल प्रस्तावित किए गए हैं।

इसके साथ ही बेस्ट स्पोर्ट्स मैन के लिए पायरे मेमोरियल गोल्ड मेडल यश वर्मा, बेस्ट एकेडमिक रिकॉर्ड वाले स्पोर्ट्स मैन के लिए राजा शंकर सहाय मौरावन गोल्ड मेडल श्रेय कुमार को दिया जाएगा। जबकि साम्या बघेल को बेस्ट डीलिट के लिए प्रो. काली प्रसाद मेमोरियल रिसर्च प्राइज व इतिहास विभाग में बेस्ट स्टूडेंट के लिए गोपाल दास मेमोरियल गोल्ड मेडल डॉ. आनंद कुमार त्रिपाठी को प्रस्तावित किया गया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया है कि पदकों की प्रस्तावित सूची विवि की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। अगर किसी विद्यार्थी को कोई आपत्ति है तो वह 07 दिसंबर तक इसे परीक्षा विभाग में दर्ज करा सकता है।

सभी बेटियों को मिले उच्च शिक्षा का मौका

यह मेरे लिए गर्व का विषय है कि लविवि से मुझे 13 मेडल दिए जा रहे हैं। अक्सर आर्थिक समस्या की वजह से काफी गरीब बच्चों को पढ़ने का अवसर नहीं मिलता है। काफी लड़कियां आज भी शिक्षा, खासकर उच्च शिक्षा से वंचित रह जाती हैं। मैं प्रशासनिक अधिकारी बनकर इनकी बेहतरी के लिए प्रयास करूंगी। पिता संजय शुक्ला बिजनेसमैन और मां सरितागृहिणी हैं। - **लवी शुक्ला**, एमएससी मैथ्स, 13 गोल्ड मेडल

पुरातत्वविद बनकर करना है काम

मेरी इतिहास में रुचि है, जिसे देखते हुए मैंने इसी क्षेत्र में कॅरियर बनाने का तय किया है। एक पुरातत्वविद बनकर कुछ अच्छा काम करना चाहती हूं। हाल में आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित डिप्लोमा प्रवेश परीक्षा में भी पहला स्थान मिला है। यहां से डिप्लोमा के बाद आगे की तैयारी करूंगी। पिता भगवती प्रसाद गुप्ता बिजनेसमैन हैं, जिन्होंने मुझे मेहनत के लिए प्रेरित किया। - **सान्या गुप्ता**, एमए प्राचीन इतिहास, 07 गोल्ड मेडल

नियमित रूप से फोकस के साथ की तैयारी

मैंने नियमित फोकस होकर पढ़ाई की और अपना लक्ष्य प्राप्त किया। इससे पहले एकेटीयू से बीटेक किया और वहां भी गोल्ड मेडल पाया। लविवि में सात प्रतिष्ठित मेडल प्राप्त करना गर्व का अनुभव करा रहा है। साइबर व कारपोरेट लॉ में रुचि है, इसलिए लॉ कर रहा हूं। अभी मध्य प्रदेश से एलएलएम कर रहा हूं और इसी क्षेत्र में आगे जाऊंगा। मेरे आगे बढ़ने में परिवार का बड़ा योगदान है। -**अभय द्विवेदी**, एलएलबी थ्री ईयर, 7 गोल्ड मेडल

लक्ष्य पाने के लिए मेहनत का कोई विकल्प नहीं

किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत जरूरी है। इसके बिना कोई भी लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता है। इसी मेहनत के दम पर मैंने 06 गोल्ड मेडल पाए हैं। मैं गेट की तैयारी कर रही हूं। आगे साइंस के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर अपने देश के लिए कुछ करने की इच्छा है। पिता अखिलेश कुमार श्रीवास्तव एलआईसी एजेंट हैं और मुझे आगे बढ़ाने में उन्होंने हमेशा सहयोग व मार्गदर्शन किया है। - **सारिका श्रीवास्तव**, एमएससी, 06 गोल्ड मेडल

अब मल्टीपल जॉब के बारे में सोचना होगा

कोविड काल ने किया सचेत, युवा नौकरी के साथ आमदनी के एक और विकल्प पर कर रहे विचार

अक्षय कुमार

कैम्पस अड्डा

लखनऊ। कोरोना संक्रमण की दो लहरों के बाद अब तीसरे की आशंका सताने लगी है। इसकी वजह से दो साल से जॉब का संकट झेल रहे युवा अब मल्टीपल जॉब के बारे में सोचने लगे हैं, ताकि आगे चलकर उनकी नौकरी पर कोई संकट आए तो एक विकल्प तैयार रहे। कोविड ने लोगों की जॉब पर असर डाला है तो युवा इसके लिए पढ़ाई के साथ अभी से तैयारी भी करने लगे हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों के अनुसार कोरोना संक्रमण ने उनकी पढ़ाई पर बहुत असर नहीं डाला है, लेकिन भविष्य को लेकर वह जरूरी चिंतित हैं। उनका कहना है ऑनलाइन पढ़ाई तो ठीक है, लेकिन एग्जाम ऑफलाइन होने चाहिए, क्योंकि ऑनलाइन एग्जाम या प्रमोशन से बहुत सारी चीजें प्रभावित होती हैं। अगर एग्जाम हुए तो पेपर बहुत हल्के आए और लिखने की भी आदत छूट गई। कुछ छात्रों का कहना है कि ऑनलाइन पढ़ाई से काफी समय बचता है और अन्य चीजों को पढ़ने-जानने के लिए अवसर भी मिलता है। लोगों को खुद को मजबूत करने और उनकी सोच को बदलने का भी अवसर कोविड ने दिया है।

कोरोना काल के बाद शिक्षा के क्षेत्र में आए बदलाव और बदले हालात की तैयारी पर मंथन करते युवा। -संवाद

कोरोना काल में फोन के ज्यादा प्रयोग से कई नुकसान हुए हैं तो स्किल बढ़ाने का मौका भी मिला है। अब हमें मल्टीपल इनकम के बारे में सोचना होगा। जॉब के साथ डिजिटल मार्केटिंग का भी काम करूंगी, ताकि एक न रहे तो दूसरे से सहयोग मिल जाए। - **अंशिका सिंह**, बीकॉम सेकेंड ईयर

कोविड ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को हिला दिया है। ऑनलाइन पढ़ने की सुविधा मिली लेकिन जॉब कम हुई है। हमें अब मल्टीपल जॉब के बारे में सोचना होगा। खुद का बिजनेस या स्टार्टअप करने के बारे में भी सोच रही हूं। - **ख्याति चौधरी**, बीकॉम सेकेंड ईयर

कोविड के दौरान मेरे पिताजी की जॉब चली गई। हमें मजबूरी में लखनऊ से गांव शिफ्ट होना पड़ा, लेकिन हमने हार नहीं मानी। यूपीएससी की तैयारी करूंगी और एनजीओ भी शुरू करूंगी, ताकि जरूरत पड़ने पर ऐसे प्रभावित लोगों की सेवा कर सकूं। - **आकांक्षा सिंह**, बीए सेकेंड ईयर

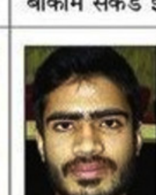

कोविड से प्रतियोगी परीक्षाएं प्रभावित हुईं तो जॉब कहां से मिलेंगे? दो साल के गैप ने भी बेरोजगारी को बढ़ाया है। लोगों के आय के स्रोत भी कम हुए हैं। योजनाएं बनीं, लेकिन वह प्रभावी नहीं हुईं। इससे ज्यादा दिक्कत बढ़ी है। - **आशुतोष**, बीकॉम सेकेंड ईयर

कोविड ने अगर कुछ नुकसान किया है तो कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ाए हैं। आईटी सेक्टर इसमें प्रमुख है। मैं इसी क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाने की सोच रहा हूं। हमें हालात का डटकर मुकाबला करना होगा। - **अंकित पटेल**, बीएससी थर्ड ईयर

अब युवाओं के लिए टैबलेट आदि देने की योजना बनी है, लेकिन वह काफी देरी से बनी। गरीब छात्रों की पढ़ाई तकनीकी व्यवस्था न होने के कारण काफी प्रभावित हुई है। इसकी तरफ भी सोचना चाहिए। - **राणा प्रताप सिंह**, बीएससी थर्ड ईयर

मेरे लिए कोरोना का 90 फीसदी सकारात्मक असर रहा है। बस ऑफलाइन एग्जाम न देने का मलाल है। कोरोना के कारण हमारे सोचने का नजरिया काफी बदला है। अन्य क्षेत्रों की जानकारी लेने व स्किल को बढ़ाने का अवसर मिला है। मैं खुद का स्टार्टअप शुरू करूंगा। -**आशीष सिंह**, बीकॉम सेकेंड ईयर

AMRIT VICHAR PAGE 5

11 गोल्ड मेडल लवी शुक्ला के खाते में

26 नवम्बर को हुए दीक्षांत समारोह में 15 मेडल दिए गए थे। बाकी बचे 181 में से 168 मेडल की संभावित सूची मंगलवार को जारी की गई है। विस्तृत सूची वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर उपलब्ध है। मेडल के सम्बन्ध में यदि किसी छात्र-छात्रा को सूची में कोई आपत्ति है तो वह परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में अपनी आपत्ति पत्र 7 दिसम्बर तक दे सकता है। जारी सूची में एमएससी मैथ्स की लवी शुक्ला 11 गोल्ड मेडल अपने नाम करके सर्वाधिक मेडल अर्जित करने वाली छात्रा बन गई हैं। इससे पहले मुख्य दीक्षांत में लवी को सभी पीजी विषयों में बेस्ट स्टूडेंट का और बेस्ट वुमेन स्टूडेंट का सिल्वर मेडल भी दिया जा चुका है। एमए एआईएच की सान्या गुप्ता ने आठ गोल्ड व एक बुक प्राइज हासिल किया है।

मातृत्व संरक्षण पर वेबिनार में प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं। फोटो : अमृत विचार

बढ़ना जानो कार्यक्रम से छात्रों में आयेगी जागरूकता

हैप्पी थिंकिंग लैबोरेट्री और यूथ फॉर ग्लोबल पीस एंड ट्रांसफॉर्मेशन (वाईजीपीटी) के सहयोग से विवि के छात्रों के लिए पहला युवा विकास सत्र मंगलवार को आयोजित किया गया। विशेष रूप से युवा वर्ग के लिए उनके वास्तविक व्यक्तित्व को समझने के लिए खुद को खोजने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो उन्हें खुद का सबसे अच्छा संस्करण बनने के लिए परिवर्तन के रास्ते पर ले जाएगा। युवाओं को सकारात्मक कार्रवाई के लिए मार्गदर्शन और निर्देशित करने जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को सामुदायिक जीवन में भाग लेने और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने को समर्थन नेटवर्क स्थापित करने का मौका मिलता है।

मातृत्व संरक्षण को लेकर हुई वेबिनार

फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन एवं यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन तथा इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज बेंगलुरु की ओर से दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का वर्चुअल उद्घाटन प्रो. ईश्वर भारद्वाज (डीन एकेडमिक, देव संस्कृति विवि हरिद्वार) ने किया। अध्यक्षता फैकल्टी के प्रो. इंचार्ज प्रोफेसर नवीन खरे ने की, आयोजक एवं संचालक डॉ अमरजीत यादव (समन्वयक योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय) ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा मातृत्व संरक्षण पर प्रकाश डालते हुए प्रथम त्रिमाशिक में योगासन, कोणासन, मार्जरीआसन, त्रिकोणासन तथा द्वितीय त्रिमाशिक में वृक्षासन, वक्रासन, वीरभद्रासन, उत्थित त्रिकोनासन पर प्रकाश डाला।

13 मेडल रोके गए

विवि में वर्तमान में कुल 196 मेडल हैं। इनमें से 15 दीक्षांत समारोह में दे दिए गए थे। 168 की सूची मंगलवार को जारी की गई। बाकी बचे 13 मेडल नहीं दिए जाएंगे। कारण यह है कि चार मेडल पर याचिका दायर की गई थी और मामला न्यायालय में विचाराधीन है। वहीं नौ मेडल ऐसे हैं जिनके लिए योग्य छात्र ही नहीं मिले।

स्पॉट काउंसलिंग शुरू

एमबीए के कुछ कार्यक्रमों में अभी सीटें खाली हैं। इन सीटों को भरने के लिए पांच दिनों की स्पॉट काउंसलिंग कराई जा रही है। यह काउंसलिंग मंगलवार से शुरू हुई है। जिन पाठ्यक्रमों में सीटें खाली हैं, उनमें एमबीए (एफसी), एमबीए (एचआर), एमबीए (मार्केटिंग), एमबीए (इंटरनेशनल बिजनेस) और एमबीए (एन्टरप्रन्योरशिप एंड फैमिली बिजनेस) शामिल हैं।

कानून पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

सांस्कृतिक और विधिक सहायता केन्द्र के तत्वावधान में संवैधानिक कानून पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। दोनों परिसरों के विधि संकाय, इंजीनियरिंग संकाय और कला संकाय जैसे विभागों से प्रतिभागियों की कुल संख्या 111 थी, जिसमें से 24 छात्रों को दूसरे दौर के लिए चुना जाना था। लीगल एड क्लिनिक के संयोजक अनुपम गुप्ता ने लीगल एड क्लीनिक के सदस्यों द्वारा तैयार किए गए एक प्रेरक वीडियो के माध्यम से प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

NBT PAGE 6

73% मेडल पर छात्राओं का कब्जा

■ एनबीटी, लखनऊ:

एलयू में 26 नवंबर को हुए दीक्षांत समारोह के बाद बचे मेडलिस्ट की सूची मंगलवार को जारी कर दी गई। 168 मेडलिस्टों सूची विवि की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड कर दी गई है। तय कार्यक्रम के अनुसार विभागवार कार्यक्रम आयोजित करके मेडल दिए जाएंगे।

दीक्षांत समारोह में मंच पर 15 मेधावियों को मेडल दिए गए थे। वहीं बचे 168 मेडल की सूची मंगलवार को जारी कर दी गई। इनमें 122 मेडल पर छात्राओं ने कब्जा जमाया है। छात्रों के हिस्से में महज 46 मेडल आए हैं। विवि प्रशासन के अनुसार लवी शुक्ला ने सर्वाधिक 11, सान्या गुप्ता ने 8 व अभय ने 7 मेडल पर कब्जा जताया है। संभावित सूची में सर्वाधिक मेडल हासिल करने वाली लवी एमएससी गणित की छात्रा है। दीक्षांत के दिन लवी को सभी पीजी विषयों में बेस्ट स्टूडेंट और बेस्ट विमेन स्टूडेंट का सिल्वर मेडल दिया गया था। एमए एआईएच की सान्या गुप्ता ने आठ गोल्ड मेडल व एक बुक प्राइज अपने नाम किया है। एलएलबी त्रिवर्षीय के अभय द्विवेदी ने भी सात गोल्ड मेडल हासिल किए हैं।

एलयू : दीक्षांत के बचे मेडलों के विजेताओं की संभावित सूची जारी

168 मेधावियों को विभागों में आयोजित कार्यक्रम में दिए जाएंगे मेडल

122 पर छात्राओं का कब्जा, छात्रों के हिस्से में आए महज 46 मेडल

किसे कितने स्वर्ण

- लवी शुक्ला, एमएससी (गणित) 11 स्वर्ण
- सान्या गुप्ता, एमए एआईएच- 8 स्वर्ण, एक बुक प्राइज
- अभय द्विवेदी, एलएलबी (3 साल) 7 स्वर्ण
- सारिका श्रीवास्तव (एमएससी भौतिकी) 6 स्वर्ण
- आकांक्षा गर्ग (एमएससी वनस्पति विज्ञान) 4 स्वर्ण
- मारिया खातून (बीए) 4 स्वर्ण
- अनामिका बाजपेई (एमए समाज कार्य) 4 स्वर्ण
- अनुश्री (एमए अर्थशास्त्र) 4 स्वर्ण
- अभिषेक सिंह (एमए एमआईएच) 4 स्वर्ण
- मारिया खातून (बीए) 4 स्वर्ण

JAGRAN CITY PAGE I

बीटेक, बीफार्मा में सीधे प्रवेश की मेरिट जारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में संचालित बीटेक, एमसीए, बीफार्मा प्रथम सेमेस्टर एवं बीटेक तृतीय सेमेस्टर (लेट्रल एंट्री) में खाली 135 सीटों पर अब सीधे दाखिले का मौका मिलेगा। मंगलवार को विश्वविद्यालय प्रशासन ने इन सीटों को भरने के लिए मेरिट जारी कर दी। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर इसे देख सकते हैं। साथ ही, इसकी विस्तृत सूचना अभ्यर्थियों के वाट्सएप पर भी भेज दी गई है। चयनित अभ्यर्थियों की स्पाट काउंसलिंग दो दिसंबर को विश्वविद्यालय के जानकीपुरम स्थित नए परिसर में होगी।

लवि के इंजीनियरिंग संकाय में बीटेक, एमसीए आदि कोर्स संचालित हैं। इन्हें एकेटीयू की काउंसलिंग से भरने का प्रविधान है। सात चरण की काउंसलिंग के बाद भी लखनऊ विश्वविद्यालय में 135 सीटें खाली हैं। इंजीनियरिंग फैकल्टी के कोआर्डिनेटर प्रो. आरएस गुप्ता ने बताया कि खाली सीटों की मेरिट जारी कर दी गई है।

बीटेक में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को काउंसलिंग में 66,080 रुपये का बैंक ड्राफ्ट, एमसीए के लिए 62,080 रुपये, बीफार्मा के लिए 66,080 रुपये का ड्राफ्ट फाइनेंस आफिसर लखनऊ विश्वविद्यालय के नाम से लेकर आना होगा। दो दिसंबर को काउंसलिंग सुबह 11 बजे से होगी। यदि कोई अभ्यर्थी ड्राफ्ट नहीं लाता है तो उसे 24 घंटे का समय दिया जाएगा। ड्राफ्ट जमा न करने पर सीट दूसरे को आवंटित कर दी जाएगी।

खाली सीटों की स्थिति

बीटेक सिविल इंजीनियरिंग प्रथम सेमेस्टर 21, तृतीय सेमेस्टर 1, बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग प्रथम सेमेस्टर 1, तृतीय सेमेस्टर 3, बीटेक इन कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) प्रथम सेमेस्टर 5, बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग प्रथम सेमेस्टर 27, तृतीय सेमेस्टर 1, बीटेक इन इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग प्रथम सेमेस्टर 19, तृतीय सेमेस्टर 2, बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग प्रथम सेमेस्टर 33, तृतीय सेमेस्टर 3, एमसीए 4, बीफार्मा 15 सीटें।

2 को नए परिसर में होगी स्पाट काउंसलिंग

लवि कैंपस में मिलेगी फ्री ई-रिक्शा की सुविधा

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) को क्लीन-ग्रीन कैंपस बनाने की दिशा में एक और पहल की गई है। अब यहां छात्रों व शिक्षकों के लिए ई-रिक्शा की फ्री सुविधा शुरू की जाएगी। विश्वविद्यालय के दोनों परिसर के लिए पांच ई-रिक्शा खरीदे जाएंगे। विश्वविद्यालय में 17 हजार से ज्यादा विद्यार्थी पढ़ते हैं। इस भव्य परिसर को क्लीन-ग्रीन बनाने और विद्यार्थियों को पढ़ाई का शांत माहौल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पहले ही गाड़ियों पर रोक लग चुकी है। सिर्फ कुछ अधिकारियों के ही पास बनाए गए हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि पुराने परिसर में चार गेट हैं। प्रत्येक गेट पर एक-एक रिक्शा होगा। साथ ही जानकीपुरम स्थित नए परिसर में भी एक ई-रिक्शा की सुविधा दी जाएगी। ई-रिक्शा विश्वविद्यालय के ही ड्राइवर चलाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एयरपोर्ट की तर्ज पर परिसर में भी ई-रिक्शा की सुविधा शुरू करने का निर्णय लिया गया है। पांच ई-रिक्शा खरीदने के लिए कुलसचिव को निर्देशित किया गया है।

लवी शुक्ला को सर्वाधिक 13 मेडल

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने दीक्षा समारोह के बाद बचे 168 मेडल की प्रस्तावित सूची मंगलवार को जारी कर दी। एमएससी मैथ्स की छात्रा लवी शुक्ला ने सर्वाधिक 13 मेडल हासिल किए हैं, इनमें 10 गोल्ड, दो चांसलर सिल्वर और एक ब्रांज मेडल शामिल है। चांसलर सिल्वर मेडल उन्हें समारोह में दिया जा चुका है। इसके अलावा एमए एआइएच की छात्रा सान्या गुप्ता को सात गोल्ड मेडल, एक बुक प्राइज, एलएलबी तृतीय वर्ष के छात्र अभय द्विवेदी को सात गोल्ड मेडल, एमएससी फिजिक्स प्रथम वर्ष की छात्रा सारिका श्रीवास्तव को छह गोल्ड मेडल के लिए चुना गया है।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. एमए सक्सेना ने बताया कि प्रस्तावित मेडल सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर अपलोड कर दी गई है। इन मेडल पर यदि किसी छात्र-छात्रा को आपत्ति है तो वह परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में सात दिसंबर तक शिकायत कर सकते हैं।

इस बार घटे मेडल: लवि में इस बार मेडल कम कर दिए गए हैं। अभी तक करीब 195 मेडल दिए जाते थे। इस साल कुल 183 मेडल की सूची जारी हुई है। इनमें 15 दीक्षा समारोह में दिए जा चुके हैं। परीक्षा नियंत्रक कहना है कि कुछ कोर्स इस साल बंद हो चुके हैं। उनमें कोई विद्यार्थी नहीं था, इसलिए उस विषय के मेडल के लिए चयन नहीं किया गया है।

श्रेय कुमार को बेस्ट एकेडमिक रिकार्ड के लिए गोल्ड मेडल : बीए की छात्रा मारिया खातून, एमए द्वितीय वर्ष की छात्रा अनामिका बाजपेयी, एमए इकोनामिक्स की छात्रा अनु श्री, एमए हिस्ट्री के छात्र अभिषेक सिंह को चार-चार गोल्ड मेडल दिए जाएंगे। एमए पालिटिकल साइंस में बेस्ट छात्रा के लिए यशस्वी शुक्ला को तीन गोल्ड मेडल, बेस्ट पीजी स्टूडेंट इन अरेबिक, पर्शियन व संस्कृत के लिए छात्रा गजाला को तीन गोल्ड को दिया जाएगा। बेस्ट डीलिट और पीएचडी थीसिस इन साइकोलाजी के लिए प्रो. काली प्रसाद मेमोरियल रिसर्च प्राइज साम्या बघेल को मिलेगा। वहीं, श्रेय कुमार को बेस्ट एकेडमिक रिकार्ड-2021 के लिए राजा शंकर सहाय आफ मौरांव गोल्ड मेडल और बेस्ट स्पोर्ट्स मैन इन कालेज के लिए गोल्ड मेडल यश वर्मा को मिलेगा।

168 मेडल की प्रस्तावित सूची लखनऊ विश्वविद्यालय ने की जारी

अब आइएएस की तैयारी

विश्वविद्यालय से सर्वाधिक मेडल मिलना खुशी की बात है। अभी मैं दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी कर रही हूं। मेरा लक्ष्य आइएएस आफिसर बनना है। बीएससी में भी मुझे गोल्ड मेडल मिल चुका है। इस बार दीक्षा समारोह में दो चांसलर सिल्वर मेडल मिले थे। अब 10 गोल्ड, एक ब्रांज मेडल व बुक प्राइज के लिए चुना गया है। विश्वविद्यालय से एमएससी मैथ्स 93.7 फीसद अंकों के साथ पास किया है। पापा संजय शुक्ला बिजनेसमैन हैं। मम्मी सरिता शुक्ला गृहिणी हैं।

- **लवी शुक्ला**, 13 मेडल

आर्कोलाजिस्ट बनने का सपना

एमए एआइएच आर्कोलाजी में मेरे 81.85 फीसद अंक आए हैं। सात गोल्ड मेडल और एक बुक प्राइज मिलना मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है। अभी आर्कोलाजिकल सर्वे आफ इंडिया की ओर से डिप्लोमा के लिए प्रवेश परीक्षा दी थी। उसमें भी पहला स्थान मिला है। मुझे आर्कोलाजिस्ट बनना है। मेरा मानना है कि मेहनत से सब कुछ मिल सकता है। पापा भगवती प्रसाद गुप्ता बिजनेसमैन हैं।

- **सान्या गुप्ता**, सात गोल्ड मेडल, एक बुक प्राइज

अब कर रहा एलएलएम

लखनऊ विश्वविद्यालय में पिछली बार चांसलर ब्रांज मेडल भी मिला। यहां से एलएलबी अंतिम वर्ष की पढ़ाई पूरी की है। हमेशा रेगुलर पढ़ाई पर फोकस किया। हर विषय को समय दिया। लगातार बेहतर करने का प्रयास करता रहा। मुझे हमेशा से साइबर और कार्पोरेट ला में रुचि है। इसलिए एलएलबी किया। अभी भोपाल से एलएलएम कर रहा हूं। फिर प्रैक्टिस करूंगा। पापा राकेश कुमार द्विवेदी केंद्रीय भंडारण निगम से सेवानिवृत्त हैं।

- **अभय द्विवेदी**, सात गोल्ड मेडल

विज्ञान के क्षेत्र में करूंगी काम

मैंने विश्वविद्यालय से 74 फीसद अंकों के साथ बीएससी और अब एमएससी किया है। नेट जेआरएफ और गेट (ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग) की तैयारी कर रही हूं। आगे विज्ञान के क्षेत्र में काम करना है। पापा अखिलेश कुमार श्रीवास्तव एलआइसी एजेंट हैं। मैंने कैलाश हास्टल में रहकर पढ़ाई की है।

- **सारिका श्रीवास्तव**, छह गोल्ड मेडल

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू: 168 मेधावियों को मेडल, सर्वाधिक 11 लवी को

मेधा का सम्मान

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 26 नवम्बर को 15 मेडल दिए गए थे। बाकी बचे 181 में से 168 की संभावित सूची मंगलवार को जारी की गई है। विस्तृत सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर उपलब्ध है। यदि किसी छात्र-छात्रा को सूची में कोई आपत्ति है तो वह परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में आपत्ति पत्र 7 दिसम्बर तक दे सकता है।

संभावित सूची के अनुसार एमएससी मैथ्स की छात्रा लवी शुक्ला, 11 गोल्ड मेडल अपने नाम करके, सर्वाधिक मेडल अर्जित करने वाली छात्रा बन बई हैं। इससे पहले मुख्य दीक्षांत समारोह में लवी को सभी पीजी विषयों में बेस्ट स्टूडेंट का और बेस्ट वुमेन स्टूडेंट का सिल्वर मेडल भी दिया जा चुका है।

वहीं एमए एआईएच की सान्या गुप्ता ने आठ गोल्ड मेडल व एक बुक प्राइज हासिल किया है। एलएलबी त्रिवर्षीय के अभय द्विवेदी ने भी सात गोल्ड मेडल हासिल किए हैं। जारी की गई 168 मेडल की सूची में से छात्राओं ने 122 मेडल अपने नाम किए हैं, वहीं छात्रों को 46 मेडल मिले हैं।

यदि मेडल सूची पर आपत्तियां आती हैं तो उन्हें निस्तारित करके अंतिम मेडल सूची सात दिसम्बर के बाद जारी होगी, उसके बाद विभागवार कार्यक्रम आयोजित करके मेडल दिए जाएंगे। जानकारी के अनुसार विभाग अपने स्तर पर मेधावियों को सम्मानित करेंगे।

● सूची पर सात दिसम्बर तक ली जाएंगी आपत्तियां

● विभागवार कार्यक्रम में छात्रों को दिए जाएंगे मेडल

इनके खाते में सर्वाधिक मेडल

- लवी शुक्ला, एमएससी मैथ्स: 11 गोल्ड
- सान्या गुप्ता, एमए एआईएच: 8 गोल्ड, बुक प्राइज
- अभय द्विवेदी, एलएलबी (त्रिवर्षीय): 7 गोल्ड
- मारिया खातून, बीए: 4 गोल्ड
- सारिका श्रीवास्तव, एमएससी फिजिक्स: 6 गोल्ड
- अनामिका बाजपेई, एमए सोशल वर्क: 4 गोल्ड
- अनुश्री, एमए इकोनॉमिक्स: 4 गोल्ड
- अभिषेक सिंह, एमए एमआईएच: 4 गोल्ड

आकांक्षा गर्ग, एमएससी बॉटनी: 4 गोल्ड

लवी शुक्ला इससे पहले दो चांसलर्स सिल्वर भी हासिल कर चुकी हैं।

196 कुल मेडल हैं लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्तमान समय में

15 मेडल इनमें से दीक्षांत समारोह में मेधावियों को मिले थे

168 बचे मेडल की सूची मंगलवार को जारी कर दी गई है

13 मेडल नहीं दिए जाएंगे, चार पर याचिका दर्ज है और नौ के योग्य छात्र या छात्राएं नहीं मिले। वहीं कुछ पाठ्यक्रम भी बंद किए जा चुके हैं।

योग पर वेबिनार

लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड ऑल्टरनेटिव मेडिसिन एवं यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन तथा इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज बंगलुरु के संयुक्त तत्वाधान में 17वें दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का वर्चुअल उदघाटन प्रो. ईश्वर भारद्वाज (डीन एकेडमिक, देव संस्कृति विवि हरिद्वार) ने किया। अध्यक्षता फैकल्टी के इंचार्ज प्रो. नवीन खरे ने की। कार्यक्रम के आयोजक एवं संचालक डॉ. अमरजीत यादव (समन्वयक योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय) ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा मातृत्व संरक्षण पर प्रकाश डाला।

PIONEER PAGE 3

एलयू ने जारी की स्पॉन्सर मेडल की टेंटेटिव सूची, लवी शुक्ला को सबसे ज्यादा मेडल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दीक्षान्त समारोह के बाद मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पॉन्सर मेडल को लेकर टेंटेटिव सूची जारी कर दी है। दीक्षान्त के दौरान केवल विवि की तरफ से खुद के 15 मेडल ही दिए गए थे। बाकी बचे 168 मेडल की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। मेडल के सम्बन्ध में यदि किसी छात्र छात्रा को सूची में कोई आपत्ति है तो वह परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में अपना अपनी आपत्ति पत्र 7 दिसम्बर तक दे सकता है।

विवि स्तर पर जारी की गई संभावित सूची के अनुसार एमएससी मैथ्स की छात्रा लवी शुक्ला 11 गोल्ड मेडल अपने नाम करके सर्वाधिक मेडल हासिल करने वाली छात्रा बन गई हैं। इससे पहले मुख्य दीक्षांत समारोह में लवी को सभी पीजी विषयों में बेस्ट स्टूडेंट का और बेस्ट वुमेन स्टूडेंट का सिल्वर मेडल भी दिया जा चुका है। एमए एआईएच की सान्या गुप्ता ने आठ गोल्ड मेडल व एक बुक प्राइज हासिल किया है। वहीं एलएलबी त्रिवर्षीय के अभय द्विवेदी ने भी सात गोल्ड मेडल हासिल किए हैं। जारी की गई 168 मेडल की सूची में से छात्राओं ने 122 मेडल अपने नाम किए हैं, वहीं छात्रों को 46 मेडल मिले हैं। यदि मेडल सूची पर आपत्तियां आती हैं तो उन्हें निस्तारित करके अंतिम मेडल सूची सात दिसम्बर के बाद जारी होगी, उसके बाद विभागवार कार्यक्रम आयोजित करके मेडल दिए जाएंगे।

13 मेडल रोके गए: लविवि में वर्तमान में कुल 196 मेडल हैं। इनमें से 15 दीक्षांत समारोह में दे दिए गए थे। 168 की सूची मंगलवार को जारी की गई। बाकी बचे 13 मेडल नहीं दिए जाएंगे। कारण यह है कि चार मेडल पर याचिका दायर की गई थी और मामला न्यायालय में विचाराधीन है। वहीं नौ मेडल ऐसे हैं जिनके लिए योग्य छात्र ही नहीं मिले। इनमें कुछ मेडल ऐसे पाठ्यक्रमों में थे, जो अब बंद हो चुके हैं।